SSC GRAND TEST- 04-03-2026 – HINDI PRIMARY KEY

SCAN HERE

भाग-1 (35 M)

I. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया:-

1) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) हामिद की दादी का नाम अमीना है।

आ) A. टोपी

इ) C. दादी

ई) D. जूते

2) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) भारतवासी सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया को महकाना चाहते हैं।

आ) B. क्लेश मिटाकर

इ) D. मन

ई) A. विश्वबंधुत्व का

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) राजू की कमजोरी यह है कि उसकी टांगें बहुत पतली और दुर्बल है।

आ) C. खुशी-खुशी से

इ) D. मदद करता

ई) A. पुराने

4) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) पद-कविता पितामह के नाम से श्री तल्लपाका अन्नमाचार्य प्रसिद्ध हैं।।

आ) D. अन्नमाचार्य

इ) C. श्री वेंकटेश्वर

ई) A. तेलुगु

5. निम्न लिखित पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार लिखिए। 5M

अ) पेड़ की डाली पर गिलहरी झूलती रहती है।

आ) C. मूँगफली

इ) A. डाली पर

ई) A. गिलहर

6. निम्न लिखित लेखक परिचय पढ़कर रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। 5x1=5M

अ) दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर।

आ) 1885

इ) गाँधीवादी

ई) हिंदुस्तान प्रचार सभा

उ) राज्यसभा

7. संकेतों के आधार पर किसी एक कवि के बारे में पाँच वाक्य लिखिए। 5M

उ- श्री सुमित्रानंदन पंत हिंदी के प्रमुख कवि हैं।

पंत जी का जन्म सन् 1900 में हुआ।

पंत जी की प्रसिद्ध रचनाएँ -वीणा, ग्रंथि, पल्लव और गुंजन हैं।

पंत जी को प्रकृति के बेजोड़ कवि कहते हैं।

पंत जी को "साहित्य अकादमी" तथा "सोवियत रूस" पुरस्कार प्राप्त हुए।

पंत जी का निधन सन् 1977 में हुआ।

आ) बिहारी :

उ- * बिहारी हिंदी साहित्य के रीतिकाल के प्रमुख कवि हैं।

* बिहारी के पिता-केशवराय हैं।
* बिहारी के गुरु नरहरिदास हैं।
* बिहारी की प्रसिद्ध रचना बिहारी सतसई (सप्तशती) है।
* बिहारी लाल के दोहों में गागर में सागर भर देने वाली बात रहती है।

भाग-II (16M)

II. अभिव्यक्ति:-

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार वाक्यों में लिखिए। **4 x 4 = 16M**

8. अ) सावन में प्रकृति की सुंदरता पर अपने विचार लिखिए।

यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: बरसते बादल
विधा	: कविता
कवि का नाम	: सुमित्रानंदन पंत जी
जीवन काल	: 1900-1977
प्रमुख रचनाएँ	: चिदंबरा
पुरस्कार	: ज्ञान पीठ (चिदंबरा)

★ सावन में प्रकृति की सुंदरता देखनेलायक होती है।

★वर्षा ऋतु हमेशा सब की प्रिय ऋतु रही है।

★ पेड-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक की धरती खुशी से झूम उठती है।

★ इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि सब के मन को भानेवाला यह श्रावण मास हमारे जीवन में फिर-फिर आयें।

(या)

आ) कहि रहीम_____ साँचे मीत ॥ दोहे की पूर्ति कीजिए।

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत॥

9. अ) यह प्रश्न "लोकगीत" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: लोकगीत
लेखक	: भगवतशरण उपाध्याय जी
जीवनकाल	: 1910-1982
रचनाएँ	:कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी

HAMARI HINDI

★ लोकगीत सीधे जनता का संगीत है, इनके रचनेवाले गाँव के स्त्री-पुरुष होते हैं।

★ लोकगीत ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न होते हैं, इसलिए लोकगीत और संगीत का घनिष्ठ संबंध है।

★ आल्हा' बुंदेलखंड क्षेत्र का एक प्रसिद्ध वीर रस लोकगीत है।

★ जो आल्हा-ऊदल नामक दो भाइयों की वीरतापूर्ण गाथाओं का वर्णन करता है।

★ लोकगीत स्वच्छ जीवन के दर्पण हैं।

(या)

आ) उ- यह प्रश्न "अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी" पाठ से दिया गया है।
यह एक पत्र है, जिसमें हिंदी भाषा की महानता का वर्णन किया गया है।

★ भारत को आज़ादी दिलाने में हिंदी भाषा का विशेष योगदान रहा है।

★ हिंदी भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधती है, इसलिए यह अनेकता में एकता का प्रतीक है।

★14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया।

★ तब से हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

10. अ) यह प्रश्न "दक्षिणी गंगा गोदावरी" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: दक्षिणी गंगा गोदावरी
लेखक	: काका कालेलकर जी
जीवनकाल	: 1885-1991
रचनाएँ	: सप्त सरिता आदि
विशेष	: राज्यसभा के सदस्य

★ इस पाठ में गोदावरी नदी की महानता के बारे में बताया गया है।

★ इसके विशाल जल राशि से लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है, इसलिए इसे धीर-गंभीर माता की संज्ञा दी गई है।

★ गोदावरी नदी के टापू प्रसिद्ध हैं। कई तो पुराने धर्म की तरह जहाँ के तहाँ स्थिर रूप होकर जमे हुए हैं।

★ इनमें बगुले रहते हैं। चलते समय वे अपने गहरे पद निशान अंकित करते हैं।

(या)

आ) उ-यह प्रश्न "धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब पाठ से दिया

पाठ का नाम	:धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब
विधा	: साक्षात्कार
विशेष	: अब्दुल कलाम, टेसी थॉमस के साक्षात्कार

★ इस पाठ में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी तथा उनकी शिष्या टेसी थॉमस के विचारों का वर्णन किया गया है।

★ कलाम जी ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए माता, पिता और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, इन तीन लोगों को महत्वपूर्ण बताया।

★ कलाम जी के अनुसार आदर्श छात्र के गुण ये हैं-
- बच्चे - अपने प्रति ईमानदार और दूसरों के प्रति आदर होना चाहिए।
- भ्रष्टाचार मुक्त रहना और परिश्रमी बनना है।

HAMARI HINDI

11. अ) उ- यह प्रश्न "दो कलाकार" पाठ से दिया गया है। कहानीकार - मन्नू भंडारी जी है।

★ अरुणा और चित्रा सहेलियाँ हैं।

★ चित्रा ललितकला प्रेमी है। चित्रा के उद्देश्य में कला कला के लिए है, न कि जीवन के लिए।

★ अरुणा उपयोगी कला प्रेमी है। अरुणा के उद्देश्य में कला जीवन के लिए है, न कि मात्र कला के लिए।

★ अरुणा मदर तेरेसा की तरह ममतामयी और करुणामयी है। वह अनाथों की नाथ है।

(या)

आ) उ- यह प्रश्न अनोखा उपाय पाठ से दिया गया है। लेखक - डॉ रावूरि भरद्वाज जी है।

★ राजा कुमारवर्मा छोटी - छोटी भूलें की होगी।

★ उन्होंने उनका सुधार नहीं नहीं किया होगा।

★ इसी करने के कारण, राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी।

★ राजा ने यज्ञ-याग आदि किया होगा। अडोस-पडोस के राजाओं से अनाज उधार लिया होगा। कई बुद्धिमानों से सलाह लेकर उपाय सोचे होंगे।

भाग-III (16M)

III. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

12. अ) मेहनत ही सफलता की कुंजी है। 'कण कण का अधिकारी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ- **परिचय:** यह प्रश्न "कण-कण का अधिकारी" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: कण-कण का अधिकारी
कवि का नाम	: डॉ. रामधारी सिंह दिनकर जी
जीवन काल	: 1908-1974
रचनाएँ	: ऊर्वशी, कुरुक्षेत्र, रेणुका आदि।
पुरस्कार	: ज्ञानपीठ - ऊर्वशी

★इस कविता में कवि ने मेहनत करनेवाले व्यक्तियों की महानता के बारे में कहा।

★ मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

★कुछ लोग पाप करके धन कमाते हैं।

★उस धन को कुछ लोग भाग्यवाद के छल से भोगते हैं।

★नर समाज का भाग्य श्रम और भुजबल ही है।

★श्रामिक के सम्मुख भूमि और आकाश झुकते हैं।

★परिश्रमी मानव ने श्रमजल दिया उसे आगे रखना है।

★प्रकृति में छिपी हर संपदा मनुष्य का धन है।

★श्रामिक व्यक्ति कण कण का अधिकारी है।

विशेषता: : जो श्रम करके सफलता पाता है, वही कण कण का अधिकारी है। इस सारा संसार श्रम पर ही - टिका हुआ है।

आ) रैदास के पदों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उ- परिचय-यह प्रश्न "भक्ति पद" पाठ से दिया गया है।

पाठ की नाम	: भक्ति पद
कवि का नाम	: रैदास
जीवन काल	: सन् 1482-1527

HAMARI HINDI

रचना : गुरु ग्रंथ साहिब
विशेष :ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि

★ रैदास, भक्ति काल के निर्माण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि हैं।

★ भगवान के प्रति उनकी भक्ति सख्य तथा दास्य भक्त है।

★ रैदास के प्रभु निराकार है। परम धार्मिक साधु एवं ईश्वर भक्तों को संत कहते हैं। रैदास इन में से प्रमुख है।

★ रैदास भगवान से इस तरह प्रार्थना करते हैं।

★ रैदास भगवान से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि—

- हे प्रभु! तुम चंदन हो तो मैं पानी।
- तुम बादल हो तो मैं मोर।
- तुम चाँद हो तो मैं चकोर।
- तुम मोती हो तो मैं धागा।
- तुम स्वामी हो तो मैं दास।

विशेषता: इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि रैदास की भक्ति अटूट, निश्चल और आत्मसमर्पण से भरी हुई है।

13. किसी एक प्रश्न का उत्तर आठ वाक्यों में लिखिए। 1x8 = 8M

अ) लोकगीतों में मुख्यत: ग्रामीण जनता की मार्मिक भावनाएँ हैं- लोकगीत पाठ के. आधार पर सिद्ध कीजिए।

उ- परिचय: यह प्रश्न" लोकगीत "पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : लोकगीत
लेखक : भगवतशरण उपाध्याय जी
जीवनकाल :1910-1982
रचनाएँ : कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी

★ लोकगीत सीधे जनता के संगीत है। इनके स्पनेवाले गाँव के स्त्री-पुरुष हैं।

★ ये साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाये जाते हैं।

★ पहाडियों के अपने लोकगीत होते हैं।

★ बारहमासा - उत्तर प्रदेश, बिदेसिया-भोजपुरी, माहिया-पंजाबी, ढोला- मारू - राजस्तान, बाउल-बंगाल में लोकप्रिय लोकगीत हैं।

★ लोकगीत स्वच्छ जीवन का दर्पण हैं।

★ लोकगीत भारतीय सभ्यता और संस्कृति की गरिमा का प्रतीक है।

विशेषता: इस प्रकार लोकगीत ग्रामीण जीवन का सजीव और मनोरंजक माध्यम हैं।

आ) आ) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचार में आदर्श नागरिक के लक्षण, सष्ट कीजिए।

उ- परिचय: यह प्रश्न "धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब पाठ से दिया

पाठ का नाम : धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब
विधा : साक्षात्कार
विशेष : अब्दुल कलाम, टेसी थॉमस के साक्षात्कार

विषय विस्तार: इस पाठ में पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी का साक्षात्कार दिया गया है।
कलाम जी के अनुसार आदर्श छात्र के गुण ये हैं-

★ बच्चे - अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर होना चाहिए।

★ भ्रष्टाचार मुक्त चाहिए।

★नैतिक मूल्यों का ग्रहण करना चाहिए।

★परिश्रमी बनने का प्रयास करना चाहिए।

★छुट्टी के दिनों में गरीब बच्चों को पढ़ाने का काम अपनाना चाहिए।

★अधिक से अधिक पेड-पौधे लगाना चाहिए।

★बाल मजदूरी को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

★सत्य को हमेशा अपनाना चाहिए।

★लक्ष्य प्राप्ति केलिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना चाहिए।

★बाधाओं से लड़ते हुए उन पर विजय प्राप्त करना चाहिए।

विशेषता: इन गुणों से मुनुष्य अच्छे नागरिक बन सकते हैं।

भाग-IV (18M)

IV. सृजनात्मकता:-

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए।

14. किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए। **1x8 = 8M**

अ) या आ)

अंक विभाजन

1. स्थान	-	1 अंक
2. दिनांक	-	1 अंक
3. संबोधन	-	1 अंक
4. पता	-	1 अंक
5. भाषा एवं विषय की अनुकूलता	-	4 अंक
कुल		8 अंक

15. किसी एक निबंध का उत्तर दस वाक्यों में लिखिए। **1x10 = 10M**

अ) या आ)

अंक विभाजन

अ) प्रस्तावना / भूमिका	-	2 अंक
आ) विषय विस्तार, विषय विश्लेषण	-	4 अंक

HAMARI HINDI

इ) मौलिक भाषा - 2 अंक

ई) उपसंहार - 2 अंक

कुल 10 अंक

भाग-V

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए। **15 x 1=15M**

16. श्रावण

17. दी

18. 1886

19. में

20. रास्ता

21. स्वार्थ

22. तत्पुरुष समास

23. नि:+संदेह

24. नि: (निर्)

25. इक

26. दिल कचोटना

27. गाय घास चर रही थी।

28. लड़के खेल रहे हैं।

29. हम भारतवासी दुनिया को पवन धाम बनाते हैं।

30. वह अपना काम करता है।

HAMARI HINDI

अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर